भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे

Indian Institute of Tropical Meteorology, Pune—411008

राजभाषा उत्सव 2024 - समापन समारोह (04.10.2024)

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे में **राजभाषा उत्सव-2024** का **भव्य समापन समारोह दिनांक 04 अक्टूबर, 2024 को मेघदूत सभागृह में** आयोजित किया गया। विदित है कि राजभाषा उत्सव-2024 का आयोजन दिनांक 01.08 2024 से 30.09.2024 तक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं (एकल गीत-गायन, हिंदीतर भाषी और हिंदी भाषी हेतु निबंध लेखन, काव्यपाठ प्रतियोगिता, प्रश्नमंच/क्विज प्रतियोगिता, अंत्याक्षरी प्रतियोगिता और पहली बार छात्रों हेतु आयोजित शोध संबंधी लेखन प्रतियोगिता), राजभाषा कार्यशाला और दो राजभाषा वैज्ञानिक वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक-एफ, आघारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे को** सादर आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम का आरम्भ राष्ट्रगान के सस्वर पाठ से किया गया। तत्पश्चात निदेशक महोदय, मुख्य अतिथि महोदय तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर **राजभाषा उत्सव-2024 : समापन समारोह** कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का स्वागत निदेशक महोदय ने पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिह्न प्रदान कर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा **"खजाने की खोज"** नाटक का बेहतरीन मंचन किया गया जिसका निर्देशन प्रशासनिक अधिकारी श्री अजीत प्रसाद पी द्वारा किया गया। समापन समारोह में पधारे सभी अतिथिगण और संस्थान के परियोजना प्रमुख, विभाग प्रमुख, अनुभाग प्रमुख, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्रों ने नाटक-मंचन का भरपूर आनंद लिया। नाटक में मुख्य भूमिका संस्थान के डॉ. भूपेन्द्र बहादुर सिंह, श्रीमती स्मृति गुप्ता, श्री शफी सैय्यद तथा श्रीमती अश्विनी

पेंडेलकर द्वारा निभाई गई। नाटक मंचन समाप्ति के बाद मेघदूत सभागार में बड़ी संख्या में उपस्थित सभी दर्शकों नें अपने स्थान पर खड़े होकर नाटक कलाकारों की प्रस्तुति को और पूरी टीम को करतल ध्वनि से प्रशंसा की और उत्साहवर्धन किया। नाटक मंचन के बाद हिंदी गीत **'बड़े अच्छे लगते हैं**.. की मधुर प्रस्तुति दी गई।

सभी मंचासीन अतिथियों- निदेशक महोदय, राजभाषा सलाहकार समिति की अध्यक्ष डॉ. तारा प्रभाकरन-वैज्ञानिक-जी, नराकास- पुणे (कार्यालय-2) की सचिव डॉ. स्वाति चड्ढा तथा प्रशासनिक अधिकारी श्री अजीत प्रसाद पी. का हार्दिक स्वागत हिंदी अधिकारी श्री हंस प्रताप सिंह द्वारा पुष्प-गुच्छ से किया गया।

स्वागत संबोधन में प्रशासनिक अधिकारी श्री अजीत प्रसाद पी. ने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि महोदय, निदेशक महोदय, सभी गणमान्य अतिथियों, संस्थान के सभी वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्रों का स्वागत किया और कार्यक्रम के लिए अपना बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति की **'राजभाषा रिपोर्ट'** हिंदी अधिकारी ने प्रस्तुत किया। प्रस्तुति के प्रारम्भ में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मराठी भाषा के साथ साथ पालि, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने की मंजूरी की सूचना साझा की और सभी को बधाई दी। शास्त्रीय भाषा पर विस्तृत जानकारी प्रदान करने के बाद संस्थान स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं राजभाषा सलाहकार समिति, नराकास, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय-मुंबई, हिंदी शिक्षण योजना आदि के साथ वर्ष के दौरान विभिन्न राजभाषा गतिविधियों की जानकारी साझा की। इसके बाद पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया तथा 07 हिंदी प्रतियोगिताओं एवं दर्शक पुरस्कार के विजेताओं को मुख्य अतिथि महोदय, निदेशक महोदय तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर हिंदी प्रतियोगिताओं में मूल्यांकनकर्ता की भूमिका निभाने वाले संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

पुरस्कार-वितरण के पश्चात डॉ. तारा प्रभाकरन, वैज्ञानिक-जी ने **राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी/NASI) के फेलो के रूप में डॉ.आर.कृष्णन, निदेशक, आई.आई.टी.एम. के चुने जाने की सूचना** सभी के साथ साझा किया। इस सूचना को सुनते ही सभी ने आकाशभेदी करतल ध्वनि से निदेशक महोदय को बधाई और शुभकामना दी। डॉ. तारा मैम ने राजभाषा हिंदी में प्रगति के लिए प्रयास करने का आवाहन किया।

संबोधन के लिए आमंत्रित निदेशक महोदय ने अपने वक्तव्य में सभी विजेताओं और सम्मानित किए गए मूल्यांकनकर्ताओं को बधाई दी तथा दो माह तक चले राजभाषा उत्सव के सफल आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग के प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की एवं आशा की कि राजभाषा प्रगति के लिए भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की रूपरेखा और भव्य आयोजन की प्रशंसा की। विश्व स्तर पर हिंदी की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है और राष्ट्रभाषा बनने के पथ पर आगे बढ़ रही है।

नराकास सचिव महोदया ने कार्यक्रम के प्रारूप की प्रशंसा की एवं सभागार में उपस्थित सभी अतिथिगणों और राजभाषा प्रेमियों की सक्रिय उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया तथा पुरस्कार वितरण में अधिक से अधिक क्षेत्रों को समाहित किए जाने वाले नए प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में राजभाषा उत्सव-2024 के सफल आयोजन हेतु निदेशक महोदय, प्रशासनिक अधिकारी महोदय, सभी मंचासीन अतिथियों, गणमान्य अतिथियों, सभागृह में उपस्थित सभी राजभाषा प्रेमियों, राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं राजभाषा सलाहकार समिति के सभी सम्मानित सदस्यों, सभी परियोजना प्रमुखों, विभाग प्रमुखों, आयोजन समितियों के सदस्यों, सामान्य प्रशासन अनुभाग, सेमिनार हॉल, एलआईपी प्रभाग, कम्प्यूटर एवं आंकड़े प्रभाग, अतिथि गृह, कुशल मंच संचालन हेतु श्रीमती संगीता ओतारी और श्रीमती अंकिता सिंह, गायन सहयोग हेतु श्री कृष्णा सुराडकर, राजभाषा अनुभाग से श्री दीपक

पाण्डेय तथा श्रीमती आरती डुलगच और सभी अन्य सहयोगियों को हिंदी अधिकारी द्वारा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया और आशा की कि भविष्य में भी इसी तरह सभी का स्नेह, मार्गदर्शन और सान्निध्य प्राप्त होता रहेगा।

इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री हंस प्रताप सिंह से संपर्क कर सकते हैं।
संपर्क सूत्र : 020-2590-4357 ई- मेल : hans.pratapsingh@tropmet.res.in